रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/97 REGD. NO. D. L.-33004/97

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 15] नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी 16, 1998/पौष 26, 1919
No. 15] NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 16, 1998/PAUSA 26, 1919

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 16 जनवरी, 1998

संख्या 3/1/98-पब्लिक.—राष्ट्रपति को 15 जनवरी, 1998 को 15.45 बजे अहमदाबाद, गुजरात में भारत के भूतपूर्व प्रधानमंत्री श्री गुलजारीलाल नन्दा के दुखद निधन के विषय में सुनकर अत्यधिक दुख हुआ है। उनकी मृत्यु से भारत ने एक महान स्वतंत्रता सेनानी, एक कुशल राजनीतिज्ञ और एक उत्साही समाज सेवी को खो दिया है।

2. श्री गुलजारीलाल नन्दा का जन्म 4 जुलाई, 1898 को ग्राम गरथल, जिला सियालकोट (अब पाकिस्तान में) श्री बुलागी राम और श्रीमती ईश्वर देवी के घर हुआ था। उन्होंने लाहौर, आगरा और इलाहाबाद में शिक्षा प्राप्त की। उन्होंने 1920-1921 के दौरान इलाहाबाद विश्वविद्यालय में श्रम समस्याओं पर रिसर्च स्कालर के रूप में कार्य किया और 1921 में नेशनल कालेज, बम्बई में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर हो गए।

3. श्री गुलजारीलाल नन्दा ने 1921 में असहयोग आंदोलन में भाग लिया। उन्हें 1932 में और फिर 1942 से 1944 तक सत्याग्रह में भाग लेने के कारण जेल जाना पड़ा। वे 1937 में बम्बई विधान सभा के लिए चुने गए और 1937 से 1939 तक बम्बई सरकार के संसदीय सचिव (श्रम और आबकारी) रहे। बाद में, बम्बई सरकार के श्रम मंत्री के रूप में (1946-50), उन्होंने राज्य विधान सभा में श्रम विवाद विधेयक को सफलतापूर्वक रहनुमाई की।

4. श्री गुलजारीलाल नन्दा ने 1950-51 और 1960-63 के दौरान योजना आयोग के उपाध्यक्ष के रूप में कार्य किया। वे 1951-52 में केन्द्रीय योजना मंत्री, 1952-57 में केन्द्रीय योजना, सिंचाई और विद्युत् मंत्री तथा 1963-66 में केन्द्रीय गृह मंत्री रहे। पंडित जवाहरलाल नेहरू की मृत्यु के बाद उन्होंने 27 मई, 1964 से 9 जून, 1964 तक भारत के प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया। श्री लाल बहादुर शास्त्री की मृत्यु के बाद 11 जनवरी, 1966 को उन्हें पुनः प्रधानमंत्री के रूप में शपथ दिलायी गई और वे 24 जनवरी, 1966 तक इस पद पर रहे। उन्होंने 1970-71 में केन्द्रीय रेल मंत्री के रूप में भी कार्य किया।

5. श्री नन्दा ने कुछ पुस्तकें लिखी हैं। उनकी पुस्तकों में सम आस्पेक्टस ऑफ खादी, हिस्टरी ऑफ लेज एडजेस्टमेंट इन द अहमदाबाद, टेक्सटाईल एण्ड इण्डस्ट्री, एप्रोच टू सैकिण्ड फाईव ईयर प्लान—सम बेसिक कंसिडरेशन्स, शामिल हैं।

6. श्री गुलजारीलाल नन्दा सच्चे अर्थों में सन्त थे। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में उनकी दीर्घ तथा उत्कृष्ट सेवा के लिए उन्हें 1991 में पद्म विभूषण से और 1997 में भारत रत्न से सम्मानित किया गया।

बाल्मीकि प्रसाद सिंह, सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
NOTIFICATION

New Delhi, the 16th January, 1998

No. 3/1/98-Public.—The President has learnt, with deep regret, of the sad demise of Shri Gulzarilal Nanda, former Prime Minister of India, at Ahmedabad, Gujarat, on January 15, 1998, at 1545 hrs. In his passing away, India has lost a great freedom fighter, an astute statesman and a zealous social worker.

2. Shri Gulzarilal Nanda was born on July 4, 1898 at Village Garthal, District Sialkot (now in Pakistan), to Shri Bulagi Ram and Smt. Ishwar Devi. He was educated at Lahore, Agra and Allahabad. He worked as a research scholar on labour problems at the University of Allahabad during 1920-21 and became Professor of Economics at the National College, Bombay in 1921.

3. Shri Gulzarilal Nanda joined the Non-cooperation Movement in 1921. He was imprisoned for participating in Satyagraha in 1932, and again from 1942 to 1944. He was elected to the Bombay Legislative Assembly in 1937 and was Parliamentary Secretary (Labour & Excise) to the Government of Bombay from 1937 to 1939. Later, as Labour Minister of the Bombay Government (1946-50), he successfully piloted the Labour Disputes Bill in the State Assembly.

4. Shri Gulzarilal Nanda served as Deputy Chairman, Planning Commission, during 1950-51 and 1960-63. He was Union Minister for Planning, 1951-52; Union Minister for Planning, Irrigation and Power, 1952-57; and Union Minister for Home Affairs, 1963-66. Following the death of Pandit Jawaharlal Nehru, he acted as Prime Minister of India from May 27, 1964 to June 9, 1964. Again, on January 11, 1966, he was sworn in as Prime Minister following the death of Shri Lal Bahadur Shastri and continued as such till January 24, 1966. He also served as Union Minister for Railways during 1970-71.

5. Shri Gulzarilal Nanda has authored a few books. His publications include Some Aspects of Khadi, History of Wage Adjustment in the Ahmedabad Textile and Industry and Approach to Second Five Year Plan—Some Basic Considerations.

6. Shri Gulzarilal Nanda was a sage in the true sense of terms. In recognition of his long and outstanding service in national and international spheres, he was awarded Padma Vibhushan in 1991 and Bharat Ratna in 1997.

B. P. SINGH, Secy.

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054 — 1998.